सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 233 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 29 सितम्बर, 2025

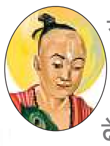

सुंदर वेष देखकर न केवल मूर्ख अपितु चतुर मनुष्य भी धोखा खा जाते हैं। सुंदर मोर को ही देख लो उसका वचन तो अमृत के समान है लेकिन आहार सांप का है।
–गोस्वामी तुलसीदास

अजेय रहते भारत ने जीता एशिया... 7 | कर्नाटक जाति जनगणना पर... 3 | भाजपा सरकार जानबूझकर सरकारी... 2

राहुल गांधी को सीने में गोली मारने की धमकी से दहशत

लाइव टीवी शो में बीजेपी प्रवक्ता ने दी गोली मारने की धमकी

- कांग्रेस महासचिव वेणूगोपाल ने गृहमंत्री को लिखी चिट्ठी
- देश की राजनीति में तूफान, हर कोई हैरान
- एक न्यूज चैनल पर चल रही थी बहस
- टीवी डिबेट या नफरत का मंच?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भरी डिबेट में सीने में गोली मार देने की धमकी से देश की राजनीति में दहशत भी है और आक्रोश। दरअस्ल एक बड़े नेशनल टीवी में चल रही डिबेट के दौरान बीजेपी प्रवक्ता प्रिंटू महादेव इतना आक्रमक हो गये कि उन्होंने लद्दाख हिंसा का ठीकरा राहुल गांधी पर फोड़ते हुए उनके सीने में गोली मारने की बात कह दी।

उनके इस बयान से देश की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया है और कांग्रेस नेगृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखकर राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है। भारतीय टीवी चैनलों की बहसें पहले से ही सस्ती टीआरपी के लिए जानी जाती हैं। एंकर पक्षपाती सवाल पूछते हैं, एक खास राजनीतिक विचारधारा को बचाते हैं और विपक्षी नेताओं को कठघरे में खड़ा करते हैं। लेकिन अब ये मंच धमकी, हिंसा और हत्या के एलान तक पहुंच चुके हैं। सवाल है क्या न्यूज18 जैसे चैनल इस स्तर तक गिर चुके हैं कि वे ऐसे जहरीले बयानों को लाइव प्रसारित करें और रोकने का प्रयास तक न करें?

राजनीति का गिरता स्तर

लोकतांत्रिक राजनीति में बहस विचारों की होनी चाहिए तर्कों और नीतियों की होनी चाहिए। लेकिन जब बहस गोली और हत्या की भाषा तक पहुंच जाए तो समझ लेना चाहिए कि राजनीति अपने सबसे गिरे हुए स्तर पर पहुंच चुकी है। भाजपा प्रवक्ता का यह बयान पूरे देश के लिए शर्मनाक है। सवाल यह है कि क्या भाजपा ऐसे व्यक्ति को पार्टी से निष्कासित करेगी या उसे बचाने का प्रयास करेगी?

लोकतंत्र के गले पर छुरी

यह मामला केवल एक बयान का नहीं है। यह भारत की राजनीति के मौजूदा चेहरे का आईना है। जहां असहमति को गद्दार कहा जाता है, आलोचना को देशद्रोह ठहराया जाता है और विपक्ष को गोली मारने की धमकी दी जाती है। राहुल गांधी पर दी गई धमकी लोकतंत्र के गले पर रखी गई छुरी है। सवाल यह है कि क्या सरकार इस पर सख्त कार्रवाई करेगी या फिर यह भी सामान्य राजनीति के कीचड़ में दब जाएगा? लोकतंत्र में असहमति दुश्मनी नहीं होती लेकिन आज भारत में असहमति का मतलब है मौत की धमकी। यह केवल राहुल गांधी की लड़ाई नहीं बल्कि पूरे भारत के लोकतंत्र की जंग है।

प्रिंटू महादेव, बीजेपी प्रवक्ता

राहुल की सुरक्षा को लेकर कांग्रेस चिंतित

कांग्रेस बार-बार यह सवाल उठा रही है कि जब इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की जान जा चुकी है तो राहुल गांधी की सुरक्षा में इतनी ढिलाई क्यों? जब उन्हें सार्वजनिक रूप से मारने की धमकी मिल रही है तो सरकार को तुरंत उच्चस्तरीय सुरक्षा की गारंटी देनी चाहिए। वरना यह खतरा केवल राहुल गांधी का नहीं बल्कि लोकतंत्र की उस परंपरा का है जिसमें असहमति को भी जीने का अधिकार है।

इंदिरा गांधी से राजीव गांधी तक, अब राहुल गांधी निशाने पर

इतिहास गवाह है कि नेहरू-गांधी परिवार को हिंसा और आतंकवाद ने कभी बख्शा नहीं। इंदिरा गांधी को उनके अपने अंगरक्षकों ने गोलियों से भून दिया। राजीव गांधी को बम से उड़ा दिया गया। अब राहुल गांधी जो आज के दौर में सरकार के सबसे मुखर आलोचक हैं उन्हें खुलेआम गोली मारने की धमकी दी जा रही है। क्या यह संयोग है या सत्ता के गलियारों में विपक्ष को डराने-धमकाने की साजिश का हिस्सा?

कांग्रेस का गुस्सा : पीएम और गृहमंत्री से सवाल

कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने तुरंत गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जवाब मांगा। उनका कहना है कि जब देश के सबसे बड़े विपक्षी नेता को टीवी पर धमकी दी जाए और उस पर सरकार खामोश रहे तो यह चुप्पी केवल मौन नहीं बल्कि मिलीभगत का संकेत देती है। क्या सरकार बताएगी कि विपक्षी नेता की जान की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा?

टीवी चैनलों की भूमिका : बहस या बारूद?

आज भारतीय मीडिया का एक बड़ा हिस्सा सत्ता का प्रचार विभाग बन चुका है। बहसों में विपक्ष को अपमानित करना गालियां देना व अब धमकी देना इस संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। सवाल यह है कि क्या न्यूज चैनलों पर भी जिम्मेदारी तय होगी? क्या न्यूज18 इस प्रवक्ता के खिलाफ कार्रवाई करेगा या फिर इस घटना को सामान्य बताकर पल्ला झाड़ लेगा?

जनता में भय

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता नहीं बल्कि उन करोड़ों लोगों की आवाज हैं जो मोदी सरकार की नीतियों से असहमत हैं। उन्हें गोली मारने की धमकी देकर वास्तव में उन करोड़ों नागरिकों की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। यह संदेश देने की कोशिश है कि जो सरकार की आलोचना करेगा उसे गोली मिलेगी। क्या यह लोकतांत्रिक भारत है या फिर अघोषित तानाशाही?

भाजपा सरकार जानबूझकर सरकारी सेवाओं को खराब कर रही : अखिलेश यादव

यूपी की स्वास्थ्य व्यवस्था चौपट, मरीज निजी अस्पतालों में जाने को मजबूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर फिर हमला बोला है। सपा प्रमुख ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को चौपट करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार राजधानी लखनऊ के बड़े अस्पतालों में भी मरीजों के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा पा रही है।

अखिलेश यादव ने यहां एक बयान में आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने पूरी व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। गुणवत्तापूर्ण इलाज के अभाव में मरीज निजी अस्पतालों में जाने पर मजबूर है। भाजपा सरकार जानबूझकर सरकारी सेवाओं को खराब कर रही है। भाजपा की कथनी और करनी में जमीन आसमान का अन्तर है।

भाजपा सत्ता से हटेगी तभी स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार होगा। अखिलेश यादव ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को चौपट कर दिया है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को पर्याप्त दवा, इलाज नहीं मिल पा रहा है। भाजपा सरकार राजधानी के बड़े अस्पतालों में भी मरीजों के लिए जरूरी सुविधाएं नहीं उपलब्ध करा पा रही है। सरकारी अस्पतालों से लोगों का भरोसा उठ रहा है। बड़े संस्थानों पीजीआई, केजीएमयू और लोहिया संस्थान में भी वेंटीलेटर और बेड (बिस्तर) मिलना मुश्किल है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि मेडिकल कॉलेज के नाम पर जिलों में बिल्डिंग हैं लेकिन सुविधाएं नहीं. उनमें गंभीर मरीजों का कोई इलाज नहीं मिलता है। सरकार झूठ और आंकड़ेबाजी से लोगों को गुमराह कर रही है।

अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने आरोप लगाया कि प्रदेश के ज्यादातर अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज में स्थायी विशेषज्ञ डॉक्टर, महिला डॉक्टर, नर्स और अन्य कर्मियों की कमी है. सरकार लगातार 'सरप्लस' बजट का दावा कर रही है लेकिन स्वास्थ्य विभाग से लेकर अन्य विभागों में स्थायी भर्ती और जरूरी सुविधाएं नहीं दे रही है। मरीजों की संख्या हर दिन बढ़ रही है लेकिन सुविधाएं नहीं।

तमाम कार्य बजट के अभाव में नहीं चल पा रहे है

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में बने कैंसर इन्टीट्यूट में तमाम कार्य बजट के अभाव में नहीं चल पा रहे है। यह सरकार लखनऊ के सिविल अस्पताल में भी सुविधाएं सुचारू ढंग से नहीं चला पा रही। जिलों में अस्पतालों की दुर्दशा है। इनमें कभी बिजली नहीं, कभी सर्वर डाउन, कभी जांच ठप्प। मरीज और परिजन बेहाल घूमते हैं।

एकता ही जीत की नींव है

सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट करके जीत पर भारतीय टीम को बधाई दी। उन्होंने लिखा, एकता ही जीत की नींव है। भारतीय क्रिकेट टीम के सभी एकजुट खिलाड़ियों, कोचों, सहयोगी स्टाफ और देशवासियों को एशिया कप जीतने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। बताते चलें कि भारत ने रविवार को खेले गए एशिया कप के फाइनल मैच में पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर रिकॉर्ड 9वीं बार एशिया कप अपने नाम किया। यह रोमांचक मैच दुबई में खेला गया। भारत की जीत के बाद देशभर में जश्न का माहौल है।

सपा प्रमुख की फोटो एडिट कर पोस्ट की, एफआईआर दर्ज

समाजवादी अधिवक्ता सभा लखनऊ के जिलाध्यक्ष अंजनी प्रकाश यादव ने गौतम भारद्वाज पर सपा प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की फोटो एडिट कर उसे आपत्तिजनक बनाकर पोस्ट करने का आरोप लगाया है। पीजीआई पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। अंजनी का आरोप है कि गौतम ने अखिलेश यादव की फोटो को आपत्तिजनक बनाया फिर उनकी फोटो अपनी फेसबुक आईडी से पोस्ट कर दी। आरोपी ने फोटो पर अभद्र टिप्पणी भी की। आरोप है कि पोस्ट वायरल होते ही सपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैल गया है। कार्यकर्ताओं ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है। इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की तफ्तीश की जा रही है। साक्ष्य संकलन होने पर कार्रवाई की जाएगी।

करूर भगदड़ में हुई 40 मौत की रिटायर्ड जज ने शुरू की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के करूर में विजय की चुनावी रैली में मची भगदड़ में 40 लोगों की मौत के बाद, सेवानिवृत्त न्यायाधीश अरुणा जगदीशन ने घटनास्थल का विस्तृत जाँच के लिए दौरा किया। राज्य सरकार द्वारा गठित आयोग का उद्देश्य इस भीषण हादसे की कमियों को दूर कर भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था में सुधार हो सके।

तमिलनाडु के करूर में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) नेता और अभिनेता विजय की चुनावी रैली में शनिवार शाम मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। राज्य सरकार द्वारा नियुक्त सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश अरुणा जगदीशन ने इस भीषण हादसे की विस्तृत जांच के लिए रविवार को भगदड़ स्थल का दौरा किया। न्यायाधीश अरुणा जगदीशन ने कहा, कमियों को दूर करने के लिए आयोग का गठन किया गया है। भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

विजय की टीवीके पार्टी के नेताओं पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज

करूर कलेक्टर ने एडीजीपी (कानून व्यवस्था) एस डेविडसन देवसिरवथम के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बताया, भगदड़ में अब तक कुल 40 लोगों की मौत हो चुकी है।उन्होंने आगे बताया, मुख्यमंत्री रात में तुरंत पहुंचे और घायलों के उचित इलाज के आदेश दिए। उन्होंने मृतकों के लिए 10 लाख रुपये और इलाज करा रहे लोगों के लिए 1 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। अस्पताल में एक हेल्प डेस्क खोला गया है... तमिलनाडु सरकार ने और मौतें रोकने के लिए कदम उठाए हैं।

कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर दम भरेंगी मायावती

नौ अक्टूबर की रैली करेगी बसपा लाखों की भीड़ जुटाने की योजना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम के 9 अक्तूबर को होने वाले परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर राजधानी में होने वाली रैली पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ सकती है। पार्टी नेताओं का अनुमान है कि रैली में 10 लाख से अधिक बसपा समर्थकों का जमावड़ा हो सकता है, जिसमें यूपी और उत्तराखंड के साथ अन्य राज्यों से भी हजारों समर्थक आएंगे। फिलहाल रैली को सफल बनाने के साथ लाखों लोगों की भीड़ उमड़ने के दृष्टिगत तैयारियां की जा रही हैं।

पार्टी सूत्रों की मानें तो रैली के आयोजन का फैसला लेते वक्त केवल यूपी और उत्तराखंड के लोगों को ही बुलाने की सहमति बनी थी, लेकिन कई साल बाद मायावती की रैली होने की वजह से अन्य राज्यों के समर्थक भी आ रहे हैं। दिन-ब-दिन इनकी संख्या बढ़ती जा रही है। केवल यूपी के हर मंडल से 5 लाख से अधिक लोगों के आने का अनुमान है। वहीं प्रत्येक विधानसभा से 300 बड़ी गाड़ियों से लोगों के आने की सूचनाएं मिल रही हैं। रैली की तैयारियों के दृष्टिगत शनिवार को भी बसपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कांशीराम स्थल का दौरान किया। वहीं लाखों लोगों की भीड़ उमड़ने के दृष्टिगत जिला प्रशासन से भी समन्वय स्थापित किया जा रहा है।

मायावती के दिल में भाजपा है बस जुंबा पर डॉ. अंबेडकर : उदित राज

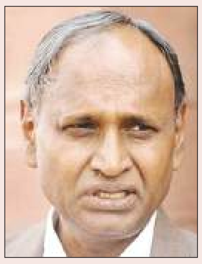

दलित, ओबीसी, माइनॉरिटी एवं आदिवासी संगठनों के परिसंघ (डोमा परिसंघ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद डॉ. उदित राज ने बसपा प्रमुख मायावती पर तंज किया। उन्होंने कहा कि मायावती के दिल में भाजपा है बस जुंबा पर डॉ. अंबेडकर हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि कांशीराम राम जी याद करना हमारी जिम्मेदारी है पर उस अवसर पर जो विशाल कार्यक्रम करने की बात हो रही है उसका लाभ भाजपा को ही होगा।

मस्जिदें नमाज के लिए होती हैं, सड़क पर हिंसा के लिए नहीं : इमरान मसूद

कांग्रेस सांसद बोले-मौलानाओं को आगे आकर इसे रोकना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के बरेली में 'आई लव मोहम्मद' अभियान को लेकर उठे विवाद और हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने शनिवार को कहा कि मस्जिदें नमाज के लिए होती हैं, सड़क पर हिंसा के लिए नहीं।

मसूद ने सहारनपुर में पत्रकारों से कहा, मस्जिदें नमाज के लिए होती हैं, सड़क पर हिंसा के लिए नहीं। हर मुसलमान को मोहम्मद से प्यार है और इसे जाहिर करने के लिए कोई तमाशा खड़ा करने की जरूरत नहीं है।

कांग्रेस सांसद ने मुसलमानों से मोहम्मद के प्रति प्रेम दिखाने के लिए सड़कों पर तमाशा खड़ा करने के बजाये उनके सिद्धांतों का पालन करने की अपील। मसूद ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि क्या हो रहा है लेकिन यह किसी भी हालत में जायज नहीं है। उन्होंने कहा कि मौलानाओं (मुस्लिम धर्मगुरुओं) को भी आगे आकर इसे रोकना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि मोहम्मद ने हिंसा का नहीं बल्कि मानवता का उपदेश दिया और यह सब बंद होना चाहिए।

कर्नाटक जाति जनगणना पर बवाल

भाजपा बोली- सभी समुदायों में डर, असंतोष!

- » कोर्ट की दहलीज पर पहुंचा मामला
- » कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा
- » कोई भी समूह अपेक्षित परिणामों से संतुष्ट नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। जाति जनगणना बिहार से निकलकर अब दक्षिण में जोर पकड़ रही है। मामले को लेकर भाजपा व कांग्रेस आमने-सामने है। वंही यह मामला हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। भाजपा ने कर्नाटक में सिद्धारमैया द्वारा घोषित जाति सर्वेक्षण की आलोचना की है, आरोप लगाया कि इस कदम ने वोक्कालिगा, लिंगायत, दलित, ओबीसी सहित विभिन्न समुदायों और कांग्रेस पार्टी के भीतर भी व्यापक असंतोष पैदा किया है। उनका दावा है कि इस सर्वेक्षण से राज्य में हर समुदाय भयभीत है और यह कांग्रेस को कमजोर करते हुए राजनीतिक अस्थिरता को बढ़ा रहा है।

भाजपा सांसद लहर सिंह सिरोया ने जाति जनगणना की घोषणा को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की आलोचना की और आरोप लगाया कि इससे विभिन्न समुदायों और यहां तक कि कांग्रेस पार्टी के भीतर भी असंतोष पैदा हुआ है। एक्स पर एक पोस्ट में, सिरोया ने लिखा कि सिद्धारमैया ने इतनी जल्दी में जाति जनगणना का आदेश देकर, अपनी पार्टी के लोगों और कैबिनेट सहयोगियों सहित सभी को नाखुश कर दिया है। आज की स्थिति में, वोक्कालिगा, लिंगायत, दलित, ओबीसी, ब्राह्मण, अल्पसंख्यक, आदिवासी और खानाबदोश कांग्रेस सरकार से नाराज हैं। मुख्यमंत्री को पूछना चाहिए कि क्या उनका अपना कुरुबा समुदाय उनके साथ है या वे भी नाराज हैं। जाति सर्वेक्षण से वास्तव में कौन खुश है, यह पूछना एक अच्छा सवाल है। शायद केवल श्री राहुल गांधी। सिरोया ने आगे कहा कि कर्नाटक के जाति सर्वेक्षण ने सभी समुदायों में भय पैदा कर दिया है, कोई भी समूह अपेक्षित परिणामों से संतुष्ट नहीं है, और चेतावनी दी कि सिद्धारमैया का नेतृत्व कांग्रेस को कमजोर कर सकता है, जिससे डीके शिवकुमार के लिए विरासत में बहुत कम बचेगा। उन्होंने लिखा, कर्नाटक में हर समुदाय ने जाति सर्वेक्षण के खिलाफ अपनी-अपनी नाराजगी जताई है। हर समुदाय सर्वेक्षण के अंतिम नतीजों से डरा हुआ है। अब ऐसा लग रहा है कि कोई भी सर्वेक्षण उनकी आकांक्षाओं या उम्मीदों पर खरा नहीं उतरेगा। स्थानीय अखबार इन खबरों से भरे पड़े हैं। ऐसा लगभग लग रहा है कि श्री सिद्धारमैया कांग्रेस पार्टी को खत्म कर देंगे, और समय आने पर श्री डी.के. शिवकुमार के लिए कमान संभालने के लिए कुछ नहीं बचेगा। उन्होंने कहा, खैर, भाजपा में हमें इस सब पर कोई शिकायत नहीं है। मैंने पहले भी सुझाव दिया था कि जब केंद्र सरकार ने आम जनगणना के साथ-साथ सर्वेक्षण कराने की घोषणा की है, तो राज्य सरकार को अलग से जाति सर्वेक्षण कराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जाति सर्वेक्षण और घोटालों को लेकर सिद्धारमैया का तनाव मैसूर दशहरा समारोह में उनके सार्वजनिक आक्रोश में दिखा, जहां उन्होंने भीड़ को जल्दी चले जाने के लिए डांटा। सिरोया ने एक्स पर लिखा कि यह तथ्य कि सिद्धारमैया जाति सर्वेक्षण के संबंध में एक कठिन परिस्थिति में फंस गए हैं और बड़े घोटालों का बोझ उनके दिल पर भारी पड़ रहा है, यह सब उनके सार्वजनिक व्यवहार में झलक रहा है। कल, दशहरा उत्सव के उद्घाटन के अवसर पर, वह मैसूर में अपने ही लोगों पर चिल्लाए और उनसे पूछा कि वे दर्शकों में क्यों हैं। स्वाभाविक रूप से, कार्यक्रम का माहौल और गरिमा प्रभावित हुई। इस सप्ताह कर्नाटक में राजनीतिक उथल-पुथल एक नए स्तर पर पहुंच गई है।

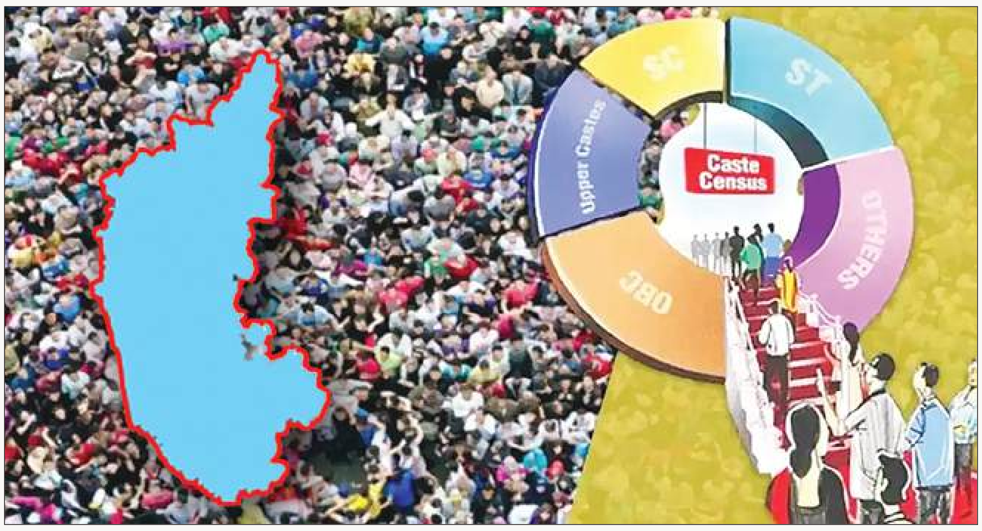

जानकारी देने का नहीं डाल सकते दबाव

पीठ ने आयोग को इन निर्देशों के अनुपालन की पुष्टि करते हुए एक हलफनामा प्रस्तुत करने का भी निर्देश दिया। अंतरिम आदेश जारी होने के बाद, सुनवाई स्थगित कर दी गई। यह आदेश उच्च न्यायालय द्वारा जाति सर्वेक्षण के तरीके को चुनौती देने वाली जनहित याचिकाओं (पीआईएल) पर सुनवाई के एक दिन बाद आया है। राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें पेश कीं, जिन्होंने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने संविधान के अनुच्छेद 342ए(3) को चुनौती नहीं दी है और न ही पिछड़े वर्गों से संबंधित धारा 9 और 11 पर रोक लगाने की मांग की है।

जातीय सर्वेक्षण में हिस्सेदारी अनिवार्य नहीं

कर्नाटक में जाति आधारित सर्वेक्षण के नाम से प्रसिद्ध सामाजिक-शैक्षणिक सर्वेक्षण पर रोक लगाने से हाई कोर्ट ने इनकार कर दिया। पीठ ने स्पष्ट किया कि सर्वेक्षण में भाग लेना अनिवार्य नहीं है और सरकार को निर्देश दिया कि वह एक सार्वजनिक घोषणा करे कि जानकारी प्रदान करना स्वैच्छिक है। अदालत ने इस बात पर भी जोर दिया कि सर्वेक्षक किसी व्यक्ति से विवरण देने पर जोर नहीं दे सकते तथा एकत्र किए गए सभी आंकड़ों को गोपनीय रखा जाना चाहिए, तथा उन तक पहुंच केवल पिछड़ा वर्ग आयोग तक ही सीमित होनी चाहिए।

सर्वेक्षण के तरीके पर सवाल उठा रहे लोग : मनु सिंघवी

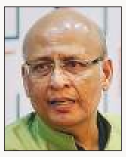

कांग्रेस नेता व वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने सर्वेक्षण में कोई गलती नहीं बताई है और न ही यह दावा किया है कि सरकार के पास इसे कराने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता केवल सर्वेक्षण के तरीके पर सवाल उठा रहे थे, जिसमें यह आरोप भी शामिल था कि जाति के साथ-साथ धर्म भी दर्ज किया जा रहा था और जाति सूची प्रकाशित करने से पहले कोई पूर्व विश्लेषण नहीं किया गया था।

वीकेंड पर काम करने वाला नेता नहीं होते : उदयनिधि

डीएमके ने टीवीके नेता विजय पर किया प्रहार

- » कमल हसन के निशाने पर विजय
- » भाजपा के रोकने के जुगत में डीएमके
- » एआईडीएमके भी तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। दक्षिण के राज्यों में जहां बीजेपी पावं जमाने की कोशिश में लगी हैं। वहीं वहां की दिग्गज सियासी दल डीएमके व एआईडीएमके उसे किसी भी हाल में जमने नहीं देना चाहती हैं। वहीं वहां के प्रसिद्ध अभिनेता कमल हसन व विजय अपनी राजनीतिक पार्टी बनाकर सभी दलों का खेल बिगाड़ने चहते हैं। इसी के लेकर सभी एक दूसरे पर वार-पलटवार कर रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री उदयनिधि ने तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय पर उनके हालिया शनिवार के चुनावी कार्यक्रमों को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो अपनी गतिविधियों को हफ्ते के एक ही दिन तक सीमित रखते हैं। उदयनिधि ने कहा कि सा व्यक्ति नहीं हूँ जो सिर्फ शनिवार को ही बाहर निकलता हूं। मैं रविवार को भी यात्रा करता रहता हूं। मुझे तो यह भी नहीं पता कि आज कौन सा दिन है। उनकी यह टिप्पणी विजय के हाई-प्रोफाइल शनिवार के चुनावी कार्यक्रमों की तुलना में उनके लगातार प्रचार-प्रसार के विपरीत प्रतीत हुई। इस महीने की शुरुआत में, मंत्री दुरई मुरुगन ने अभिनेता-राजनेता के रवैये पर टिप्पणी करते हुए कहा, विजय पर्दे के पीछे से बोल रहे हैं। पहले उन्हें बाहर तो आने दो। इससे क्या फर्क पड़ता है कि वह अपना प्रचार शनिवार को करते हैं या रविवार को। हम अपना काम कर रहे हैं। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भी विजय के प्रचार कार्यक्रमों पर कटाक्ष किया। एक राजनेता को चौबीसों घंटे, हफ्ते के सातों दिन उपलब्ध रहना चाहिए, सिर्फ सप्ताहांत पर नहीं। अगर टीवीके एक गंभीर पार्टी बनना चाहती है, तो उसे अपने कामों से यह दिखाना होगा। विजय लोगों से शनिवार और रविवार को मिलते हैं, हफ्ते के दिनों में नहीं। उन्होंने आगे कहा था कि लोग इसे देखेंगे। अगर टीवीके डीएमके का मुख्य प्रतिद्वंद्वी बनना चाहता है, तो उसे यह दिखाना होगा। भाजपा और एआईएडीएमके के नेता जनता के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध रहते हैं। टीवीके को हफ्ते के सातों दिन, 365 दिन उपलब्ध रहना चाहिए। अगर विजय कहते हैं कि वह लोगों से सिर्फ सप्ताहांत में ही मिलेंगे, तो इससे सवाल उठता है कि वह राजनीति को लेकर कितने गंभीर हैं।

बीजेपी ने साधा निशाना

बीजेपी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने टीआरबी राजा को आड़े हाथों लिया है। शहजाद पूनावाला ने कहा, एक बार फिर डीएमके ने सीमा लांघते हुए यूपी-बिहार समेत पूरे उत्तर भारत की महिलाओं का अपमान किया है। कांग्रेस ने बिहार को बीड़ी बताया। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने बिहार के डीएनए को गाली दी। डीएमके ने कहा कि बिहार के लोग शौचालय साफ करते हैं। अब यूपी-बिहार की महिलाओं का ऐसा अपमान हो रहा है। तेजस्वी इसपर चुप क्यों हैं?

उत्तर भारत की महिलाओं पर डीएमके के मंत्री का विवादित बयान पर घमासान

तमिलनाडु सरकार के मंत्री टीआरबी राजा विवादों में घिर गए हैं। महिलाओं पर की गई टिप्पणी के बाद उनपर सवाल खड़े हो रहे हैं। बीजेपी ने उनकी पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम पर महिलाओं का अपमान करने का आरोप लगाया है। टीआरबी राजा ने हाल ही में कहा था कि तमिलनाडु और अन्य राज्यों की महिलाओं में बहुत फर्क है। 100 साल बाद भी उत्तर भारत में महिलाओं की हालत में सुधार नहीं आया है। इसे लेकर अब राज्य में सियासी घमासान शुरू हो गया है। बता दें कि हाल ही में एक बयान के दौरान टीआरबी राजा ने कहा था कि तमिलनाडु और भारत के अन्य राज्य की महिलाओं में अंतर है। उन्होंने कहा, 100 साल बाद भी उत्तर भारत में महिलाओं की हालत नहीं बदली है। वहां की महिलाओं से मिलते ही लोग पूछते हैं कि आपके पति कहां काम करते हैं? और यहां कि महिलाओं से मिलकर पूछते हैं कि आप कहां काम करती हैं? यह बदलाव रातों रात नहीं आया बल्कि, इसे लाने में 100 दिन लग गए।

कमल हासन का विजय को संदेश : भीड़ हमेशा वोटों में नहीं बदलती, हर नेता के लिए हकीकत

मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) प्रमुख कमल हासन ने कहा कि राजनीतिक रैलियों में उमड़ी भीड़ को वोट समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह सच्चाई तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय समेत सभी नेताओं पर समान रूप से लागू होती है। हासन ने कहा कि यह निश्चित है कि सभी वोटों में तब्दील नहीं होंगे। यह सभी नेताओं पर लागू होता है। जब उनसे विशेष रूप से पूछा गया कि क्या उनकी टिप्पणी अभिनेता-राजनेता विजय के लिए थी, तो हासन ने स्पष्ट किया कि यह एक सामान्य टिप्पणी थी। उन्होंने कहा कि जब यह सभी नेताओं पर लागू होता है, तो हम विजय को कैसे बाहर कर सकते हैं? यह मुझ पर और भारत के हर नेता पर लागू होता है। आप भीड़ तो खींच सकते हैं, लेकिन वह सब वोटों में नहीं बदलेगी। टीवीके प्रमुख के लिए क्या उनके पास कोई सलाह है, इस पर हासन ने कहा, सही रास्ते पर चलें, साहस के साथ आगे बढ़ें और लोगों का भला करें। यह मेरी सभी नेताओं से अपील है। राज्यसभा सांसद ने यह भी कहा कि आलोचना सार्वजनिक जीवन का हिस्सा है, और यहां तक कि सिनेमा के महत्वाकांक्षी कलाकार भी इससे अछूते नहीं हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

किताबें हमें डिप्रेशन से बचा सकती हैं

"अगर हमें डिप्रेशन से बचना है तो मित्र बना वों मित्र अच्छी किताबें भी हो सकती हैं। ये बातें बताती हैं कि आत्महत्या पर बात करना आज भी कितना कठिन है। यह भी बताना चाहती हूं कि जब कोई प्रियजन यह बताए कि वह आत्मघाती विचारों से जूझ रहा है, तब परिवार और मित्र कैसे प्रतिक्रिया दें।

दुनिया समेत भारत में अकेलापन और उदासी बढ़ रही है। इसकी वजह से आत्महत्याओं की बढ़ोत्तरी हो रही है ये एक गंभीर बात बनती जा रही है। अक्सर देखने को मिलता है कि अकेलापन और उदासी ने मन को घेरने लगती है। तभी एक डर उपजता है मन सोचा, अगर मैंने अपनी कलाई काट ली तो क्या होगा? धीरे-धीरे खून बहने से शायद मरने में बहुत समय लगेगा? जब ये बाते आई तो मन को भटकाने के लिए सहज रूप से एक उपन्यास उठा लिया। किताब ने पूरी तरह अपने भीतर खींच लिया। बाद एक करीबी मित्र से कहा कि शुरुआत तो बहुत खराब थी, लेकिन किताब की वजह से सप्ताहांत अंत में अच्छा निकल गया। किसी और से इन बातों का जिक्र नहीं किया। ये एक मनोवैज्ञानिक व्यथा है। अर्थात अगर हमें डिप्रेशन से बचना है तो मित्र बना वों मित्र अच्छी किताबें भी हो सकती हैं। ये बातें बताती हैं कि आत्महत्या पर बात करना आज भी कितना कठिन है। यह भी बताना चाहती हूं कि जब कोई प्रियजन यह बताए कि वह आत्मघाती विचारों से जूझ रहा है, तब परिवार और मित्र कैसे प्रतिक्रिया दें।

उन घड़ियों में मेरी सबसे बड़ी कमी यह थी कि मेरे पास कोई ऐसा भरोसेमंद व्यक्ति नहीं था, जिससे मैं बिना निर्णय के डर के अपनी बात कह सकूं। इसलिए, यह जानना कि प्रतिक्रिया कैसे देनी चाहिए, अत्यंत महत्तवपूर्ण है। दोनों अक्सर आत्मघाती विचारों वाले रोगियों से मिलती हैं। इनके अनुभव और मेरे निजी अनुभव से कुछ स्पष्ट, व्यावहारिक सलाह बनती है। कब क्या बोलना चाहिए और किस बात से बचना चाहिए। सबसे पहले क्या न कहें पर चर्चा कर लें। दोषारोपण और तात्काल प्रतिक्रिया से बचें। जैसे कह देना, 'तुम ऐसा कैसे सोच सकती हो?' या 'क्या तुमने सोचा कि इससे मेरी जिंदगी पर क्या असर पड़ेगा?' ऐसी टिप्पणियां भय और शर्म पैदा कर देती हैं और व्यक्ति को खुलकर बोलने से रोकती हैं। अक्सर लोग इसलिए अपने विचार किसी से साझा नहीं करते, क्योंकि वे दूसरों को डराना या परेशान करना नहीं चाहते। ऐसे क्षणों में श्रोता का सबसे बड़ा तोहफा शांत और गैर-आलोचनात्मक मौजूदगी होती है। दूसरी गलती अत्यधिक तारीफ या आश्चर्य जताना 'मैंने तुम्हें हमेशा मजबूत माना है।' ऐसा कहने से वह व्यक्ति और अधिक दबाव में आ सकता है और सोचने लगेगा कि 'मुझे बेहतर ढंग से सामना करना चाहिए था' जो कि मदद के बजाय नुकसान कर सकता है। सहानुभूति और मान्यता जरूरी है। सीधे और सरल तरीके से कहें 'यह वाकई बहुत भारी महसूस होता होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पेपर लीक शृंखला से आक्रोशित बेरोजगार युवा

वेद विलास उनियाल

उत्तराखंड राज्य के आंदोलन को मातृशक्ति और युवा शक्ति का आंदोलन कहा गया था। एक स्वयंस्फूर्त आंदोलन में युवाओं की ऐसी भागीदारी थी, जिसमें वे निजी हितों को तिलांजलि देकर बड़े उद्देश्य के लिए आंदोलन में कूद पड़े थे। राज्य स्थापना के आंदोलन के पीछे कई पहलुओं को देखा गया, लेकिन दशकों से चले आ रहे आंदोलन को नब्बे के दशक में चिंगारी रोजगार के मसले पर ही मिली थी। युवाओं ने महसूस किया था कि जिस आरक्षण को राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में लागू किया जा रहा है, वह उनके रोजगार छीन लेगा। राज्य स्थापना के 25 साल बाद अब फिर युवा उसी तरह सड़कों पर उतरा है। बेशक उसका यह आंदोलन किसी आरक्षण या किसी तकनीकी आधार के विरोध पर नहीं, लेकिन उत्तराखंड में फिर से पेपर लीक की घटना से वह आहत हुआ है। उसे फिर लगा कि उसके जीवन से खिलवाड़ हो रहा है।

सियासी पार्टियों के अपने-अपने बयान हैं, लेकिन यह हकीकत है कि राज्य में ऐसा ढांचा बना है जो पेपर लीक करने वालों में डर पैदा नहीं कर पा रहा। उत्तराखंड में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की स्नातक स्तरीय परीक्षा के दौरान पेपर लीक हुआ है। परीक्षा शुरू होने के 35 मिनट के अंदर पेपर के तीन पेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। हालांकि पेपर लीक होना या भर्ती घोटाला इस राज्य के लिए नई बात नहीं रही। राज्य बनने के साथ ही ऐसी घटनाएं समय-समय पर होती रही हैं। राज्य की शुरुआत के साथ ही 2003 में पटवारी भर्ती घोटाला और दारोगा भर्ती घोटाला सामने आये। पेपर लीक का यह पहला मामला नहीं। साल 2021 में स्नातक स्तरीय परीक्षा में पेपर लीक का मामला सामने आया था। इसमें कई आरोपी गिरफ्तार हुए तथा जांच के आदेश दिए थे। राज्य में पटवारी, लेखपाल, ग्राम विकास अधिकारी जैसी कई परीक्षाओं में पेपर लीक के आरोप लगे। वन दारोगा भर्ती में भी पेपर लीक व ऑनलाइन नकल के आरोप लगे। जांच हेतु राज्य सरकार ने विशेष जांच दल गठित किया।

2023 में सरकारी भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और कथित घोटालों के खिलाफ छात्रों के जगह-जगह विरोध प्रदर्शन के बाद राज्य सरकार 'उत्तराखंड प्रतियोगी परीक्षा अधिनियम 2023' लेकर आई थी। तब इसे पेपर लीक और नकल रोकने के लिए सबसे सख्त कानून बताया गया। इसमें ऐसी कड़ी धाराएं थी जो ऐसी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों को सोचने पर विवश करें। लेकिन हाल ही में फिर उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की स्नातक स्तरीय परीक्षा दौरान पेपर लीक की बात सामने आई है, जिसने सबको चौंकाया। हर कोई हैरान है कि कड़े कानून और समय-समय पर कार्रवाई होने के बावजूद ऐसे तत्वों पर फर्क नहीं पड़ा है। निश्चित ही ऐसे काम को अंजाम देने वाली एक बड़ी लॉबी सक्रिय है, और इस पूरे तंत्र से निपटना किसी भी सरकार के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। ऐसे तत्वों का फैलाव इतनी दूर तक है कि सरकार का मजबूत तंत्र उनसे निपट नहीं पा रहा है। दरअसल यह किसी एक राज्य की नहीं, बल्कि पूरे देश की भी चिंता है। ऐसे कई सवाल उत्तराखंड के छात्रों के मन में उठना स्वाभाविक है कि छोटे-छोटे कबूतर नहीं, असली बाज कौन हैं? उत्तराखंड सामाजिक आंदोलनों के लिए जाना जाता है। कभी यहां की निरक्षर महिलाओं ने दुनिया भर को पर्यावरण के महत्व से जागरूक किया। यहीं महिलाओं ने अपने बच्चों के लिए विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए आंदोलन किया। युवाओं को शिक्षा व रोजगार के लिए मातृशक्ति ने नब्बे के दशक में ऐसा आंदोलन खड़ा किया, जिससे एक नहीं, तीन राज्यों की स्थापना करा दी। इन सबके मूल में एक आदर्श राज्य बनाने की सोच थी, जहां युवाओं के रोजगार सुरक्षित हों, अवसर मिलें। लेकिन आज भी लोगों की आंखों की नमी कम नहीं हुई। पच्चीस साल बाद उत्तराखंड का युवा फिर उसी जद्दोजहद में फंसा दिख रहा है, तो

मानना चाहिए कि इसके पीछे कई पेच हैं। उसके स्वर आज भी यही हैं कि 'हमारे साथ अन्याय हो रहा है।' जिस जवानी को उत्तराखंड के भविष्य के साथ जोड़कर देखा जा रहा है, उसके सीधे सवाल हैं- इस पूरे मामले की सीबीआई जांच कराई जाए, परीक्षा को रद्द किया जाए, अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

वे यह भी कह रहे हैं कि अब पुलिस ने जो कार्रवाई की है, वह उनके दिए तथ्यों के आधार पर की है। सरकार का ठोस कानून युवाओं के हितों का संरक्षण क्यों नहीं कर पा रहा है? निश्चित ही युवा यह भी चाहते हैं कि उनके खिलाफ दर्ज मुकदमें वापस लिये जाएं। आखिर उन्हें लगता है कि अन्याय हुआ है, तो आवाज उठाने से उन्हें क्यों रोका जाए? यह सवाल पूरे उत्तराखंड में उठ रहा है कि असल चूक कहां हो रही है? इस पूरे जाल को कैसे ध्वस्त किया जा सकता है?

मौजूदा दौर में उद्योग की दिशा परिवर्तन का वक्त

लेफ्टिनेंट जनरल एसएस मेहता सेवानिवृत्त

दुनिया के बारे में अब पहले से कोई अनुमान नहीं लगा सकते हैं। यूरोप और पश्चिम एशिया में युद्ध खिंचते ही जा रहे। आपूर्ति शृंखला को हथियार बनाया जा रहा है – कंप्यूटर चिप्स से लेकर एपीआई और ऊर्जा तक। समझौतों से ज्यादा तेजी से टैरिफ की दीवारें खिंच रही हैं। डब्ल्यूटीओ निष्प्रभावी सा है; हमारे पड़ोसियों खाड़ी देश, पाकिस्तान, चीन इनसे जुड़े हमारे जोखिम बढ़ रहे हैं। इस मामले में भारत अकेला नहीं। अमेरिका अपने उद्योगों का संरक्षण टैरिफ और अब एच-1बी से कर रहा है। यूरोप आयात पर कार्बन-टैक्स लगा रहा है, अफ्रीकी मुल्क दूसरों पर निर्भरता से व आसियान देश सप्लाई चेन की कमजोरी से जूझ रहे हैं। हर भूभाग अपना बाजार दूसरों के माल से बचा रहा है। केवल वे देश जो अपनी आंतरिक लोच बना लेंगे, दूसरों को स्थिरता दे सकेंगे। आत्मनिर्भरता बतौर दिशासूचक भारत के लिए अब केवल अस्तित्व काफी नहीं। आत्मनिर्भरता महज नारा न होकर एक मिशन है मूल जरूरतों के लिए पराश्रित देश इस विभाजित विश्व में स्वायत्तता का दावा नहीं कर सकता।

इसीलिए वित्त मंत्री का उद्योग जगत को आह्वान खास तात्कालिकता रखता है निवेश करें और दिशा बदलें। विश्व स्तर पर उद्योग 4.0 स्मार्ट कारखाने, ऑटोमेशन और डिजिटल एकीकरण का लघु प्रारूप है। भारत के लिए इसका अर्थ कुछ गहरा चाहिए। उद्योग 4.0 हमारा अपना दिशासूचक है – अन्वेषण, समावेशन, निवेश, नवाचार। कक्षाओं में जिज्ञासु सवाल पूछने वाले बच्चे सृजनकार बनते हैं न कि नकल करने वाले। समावेशन बृहद प्रतिभाओं का द्वार खोलता है। निवेश को मुनाफे के बीज के रूप में लेना चाहिए, न कि खर्च के लिए नकदी के तौर पर। रॉयल्टी के भुगतान के बजाय अपना नवाचार अपना स्वामित्व बनाएं। यह पश्चिम का उद्योग 4.0 न होकर भारतीय संस्करण है, विवेक और स्केल पर आधारित, जिसका उद्देश्य दक्षता व बैसाखी रहित समावेशिता बनाना है।

दुष्चक्र तोड़ना- मार्जिन मामूली होता है क्योंकि स्केल छोटा होता है, और स्केल इसलिए छोटा है कि क्रयशक्ति कम है। इसका हल है अधिक मार्जिन वाला वैश्विक बाजार, तुलनात्मक लाभ और अनुसंधान एवं विकास में पुनर्निवेश करने में। हमारा बहुचर्चित आईटी उद्योग अन्य मिसाल है, एक उच्च लाभकारी बिजनेस जो ट्रांसलेशनल एआई मॉडल बनाने की बजाय नकद मुनाफे को तरजीह देता रहा है। परिणाम- सेवा क्षेत्र में अग्रणी, किंतु वैश्विक उत्पादों में नहीं। आईना- अक्सर, हम मात्रा को कीमत समझ बैठते हैं। हम स्केल का जश्न मनाते हैं, न कि ठोस हकीकत का। भारत कारें असेंबल करता है, तथापि एक भी स्वदेशी 300-350 एचपी इंजन व्यावसायिक रूप से उपलब्ध नहीं। रेलवे आज भी विदेशी डिजाइंड डीजल इंजनों पर निर्भर है। रक्षा उत्पादन क्षेत्र बिजली संयंत्र विहीन है। रणनीति उधार ट्रांसमिशन चेन और हॉर्सपावर पर नहीं चल सकती। स्टैनफोर्ड अध्ययन में भारत को एआई जीवंतता में चौथा स्थान मिला है, गिट हब में इंजीनियरों की बाढ़ सी है, विमर्श सक्रिय है, कौशल प्रचुर है। लेकिन पेटेंट, निवेश, बुनियादी ढांचा और आधारभूत मॉडलों में हम पिछड़े हैं। एआई में योगदान तो करते हैं, लेकिन मालिक नहीं। प्लेटफॉर्म बिना जीवंतता दूजों पर निर्भरता है। हॉर्सपावर उधार की, कंप्यूटर चिप्स आयातित, एपीआई में विदेशी निर्भरता, दूरसंचार तंत्र पट्टे पर, बैटरियां खरीदी गयी-इंजीनियरों का देश अभी भी रॉयल्टी चालित है।

विकल्प स्पष्ट है- अपने खुद के उत्पादों के बिना आईटी सेवा आधारित आर्थिकी बने रहें या उधार के पुर्जों पर चलने वाला इंजीनियरिंग बेस या फिर अन्वेषण, नवाचार और स्वामित्व की दिशा में बदलाव। सफलता अपरिहार्य- यह केवल असफलता के बारे नहीं, जब कभी अन्वेषण, निवेश और संकल्प एक साथ आए हैं, तो भारत ने परिणाम दिए हैं। इसरो ने वैश्विक लागत के एक अंश जितने खर्च में मंगल और चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान पहुंचा दिए। आधार, यूपीआई, कोविन बड़े पैमाने का डिजिटल समावेशन दर्शाते हैं। एपीआई पर निर्भरता के बावजूद, फार्मा कंपनियों ने भारत को दुनिया का विश्वसनीय जेनेरिक दवा सप्लायर बनाया दिया। फिनटेक, लॉजिस्टिक्स, एसएएएस में यूनिकॉर्न कंपनियों ने उद्यमशीलता की ललक साबित की। 6प्रतिशत का मिशन, हालांकि अभी नया है, और क्वांटम कम्प्यूटिंग पर काम जारी हैं। ये सफलताएं साबित करती हैं जब-जब नीति, लाभ और शेयरधारक के मूल्य एक साथ आए, तब-तब भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया। बदलाव की जरूरत केवल तकनीकी क्षेत्र को लेकर नहीं है, बल्कि मानसिक स्तर पर भी है। निर्भरता रणनीति नहीं रह सकती; नवाचार आवश्यक है। दिशा बदलने का मौका, उद्योग मूकदर्शक बना नहीं रह सकता। उसे महज एक यात्री की बजाय सहयात्री होना पड़ेगा। सरकारी मदद जोखिम कम कर सकती है, लेकिन जोखिम केवल उद्योग ही उठा सकता है। शेयरधारक खुद को महज तिमाही लाभ पाने वाला नहीं बल्कि 25 साल यात्रा भागीदार समझें। मुनाफे का हर रुपया कोई अंत न होकर वरन वैश्विक मौजूदगी का पासपोर्ट है। अगर कंपनियों का लक्ष्य सिर्फ खुद कायम रहने का है, तब देश का तुलनात्मक लाभ, स्केल, प्रतिभा और भूगोल कोई मायने नहीं रखता। वे नेतृत्व करने, सरकार संग सह-निवेश करने व विदेश में झंडा बुलंद करने का लक्ष्य रखें। देश की दिशा तय करने की जिम्मेदारी उन पर है। आह्वान टैरिफ के पीछे छिपने का न होकर, आत्मविश्वास के साथ वैश्विक बाजारों में उतरने का होना चाहिए।

दिल की सेहत के लिए रोज खाएं ये मेवे

आज की भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में हृदय रोग एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है। अनियमित खान-पान और खराब लाइफस्टाइल के कारण बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल, हाई ब्लड प्रेशर और मोटापा सीधे हमारे दिल की सेहत को खतरे में डाल रहे हैं। ऐसे में अपने हृदय को स्वस्थ रखना और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रण में रखना हमारी सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। अच्छी बात यह है कि केवल दवाइयों पर निर्भर रहने के बजाय, हम अपनी डाइट में कुछ छोटे लेकिन प्रभावी बदलाव करके भी अपने हार्ट हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। हम अपनी रोजमर्रा की डाइट में कुछ प्रभावी बदलाव करके भी अपने दिल का खास ख्याल रख सकते हैं। सूखे मेवे ऐसे ही नेचुरल सुपरफूड्स होते हैं, जिनमें ऐसे कई पोषक तत्व मिलते हैं जो दिल के स्वास्थ्य के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। ये न सिर्फ आपके हार्ट हेल्थ को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि कोलेस्ट्रॉल को भी कंट्रोल में रखने में मदद करते हैं।

कोलेस्ट्रॉल भी रहेगा कंट्रोल

पिस्ता

पिस्ता एक बेहद स्वादिष्ट और लाभकारी मेवा होता है, जो हार्ट की हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मोनोअनसैचुरेटेड फैट, फाइबर, प्लांट स्टेरोल्स और कई एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो प्लांट स्टेरोल्स शरीर में कोलेस्ट्रॉल के अवशोषण को रोकने में मदद करते हैं, जिससे एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। इसके अलावा पिस्ता रक्तचाप को कम करने और रक्त वाहिकाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी सहायक है। इसलिए रोजाना एक छोटी मुट्ठी पिस्ता का सेवन हर किसी कोकरना चाहिए। क्योंकि ये आपके सेहत के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है।

खजूर

खजूर दिल को स्वस्थ्य रखने में काफी मददगार होता है क्योंकि खजूर में घुलनशील फाइबर, पोटेशियम और विभिन्न एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। घुलनशील फाइबर कोलेस्ट्रॉल को खून में अवशोषित होने से रोकता है। पोटेशियम स्वस्थ ब्लड प्रेशर के लेवल को बनाए रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है, जो हृदय रोगों के जोखिम को कम करता है। रोजाना 2-3 खजूर खाना दिल के स्वास्थ्य के लिए गुणकारी होता है।

अखरोट

अखरोट को अक्सर ब्रेन फूड कहा जाता है, लेकिन यह आपके दिल के लिए भी उतना ही फायदेमंद है। यह ओमेगा-3 फैटी एसिड का बेहतरीन स्रोत है। ओमेगा-3 सूजन को कम करने, खराब कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को घटाने, रक्त वाहिकाओं के कार्य को बेहतर बनाने और दिल की धड़कन की अनियमितताओं के जोखिम को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, इसमें फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं जो कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने में सहायता करते हैं। इसलिए आप इस ड्राई फ्रूट को अपनी डेली डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बादाम

बादाम भी हृदय स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह मोनोअनसैचुरेटेड फैट, विटामिन E, मैग्नीशियम और फाइबर से भरपूर होता है। मोनोअनसैचुरेटेड फैट खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है, जबकि अच्छे कोलेस्ट्रॉल के लेवल को बनाए रखता है। विटामिन E एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो रक्त वाहिकाओं की दीवारों को नुकसान से बचाता है। मैग्नीशियम ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने और हृदय की सामान्य कार्यप्रणाली को बनाए रखने में मदद करता है। रोजाना 5-10 भीगे हुए बादाम खाने से आपका दिल स्वस्थ और मजबूत रहता है।

हंसना मना है

बैंक मैनेजर- कैश खत्म हो गया है कल आना। संता- लेकिन मुझे मेरे पैसे अभी चाहिए। मैनेजर- देखिए आप गुस्सा मत करिए, शांति से बात कीजिए। संता- ठीक है बुलाओ शांति को, आज तो मैं उसी से बात करूंगा।

गर्लफ्रेंड- मैं अपना पर्स घर पर भूल आई, मुझे 1000 रुपये की जरूरत है। बॉयफ्रेंड- कर दी न छोटी बात, पगली यह ले 10 रुपये। अभी रिक्शा करके घर जा और पर्स ले आ। गर्लफ्रेंड बेहोश।

पति- क्या देख रही हो? पत्नी- कुकिंग शो। पति- दिन भर कुकिंग शो देखा करती हो, खाना बनाना तो फिर भी नहीं आया तुम्हें। पत्नी- आप भी तो कौन बनेगा करोड़पति देखते रहते हैं, तो कौन सा करोड़पति बन गए।

लड़की- हम तेरे बिन अब रह नहीं सकते, तेरे बिना क्या वजूद मेरा। लड़का- कौन हो आप? लड़की- तुझसे जुदा अगर हो जाएंगे तो खुद से ही हो जाएंगे जुदा। लड़का- तुम सचमुच मुझसे शादी करोगी? लड़की- इस गाने को अपनी कॉलर ट्यून बनाने के लिए 8 दबाएं।

कहानी — कौवों की गिनती

बीरबल की चतुराई से बादशाह अकबर और सभी दरबारी परिचित थे। फिर भी अकबर, बीरबल की चतुराई का परीक्षा लेते रहते थे। ऐसे ही एक सुबह बादशाह अकबर ने बीरबल को बुलाया और बगीचे में घूमने के लिए चले गए। वहां पर बहुत सारे पक्षी आवाज कर रहे थे। अचानक बादशाह अकबर की नजर एक कौवे पर पड़ी और उनके मन में शरारत सूझी। उन्होंने बीरबल से कहा कि मैं यह जानना चाहता हूं कि हमारे राज्य में कुल कितने कौवे हैं। यह सवाल थोड़ा अटपटा जरूर था, लेकिन फिर भी बीरबल ने कहा कि महाराज मैं आपके इस प्रश्न का जवाब दे सकता हूं, लेकिन मुझे थोड़ा समय चाहिए। अकबर ने मन ही मन मुस्कुराते हुए बीरबल को समय दे दिया। कुछ दिनों के बाद बीरबल दरबार में आए, तो शहंशाह अकबर ने पूछा कि बोलो बीरबल कितने कौवे हैं हमारे राज्य में। बीरबल बोले कि महाराज हमारे राज्य में करीब 323 कौवे हैं। यह सुनते ही सभी दरबारी बीरबल को देखने लगे। फिर बादशाह अकबर बोले कि अगर हमारे राज्य में कौवों की संख्या इससे ज्यादा हुई तो? बीरबल बोले, हो सकता है कि महाराज कुछ कौवे हमारे राज्य में अपने रिश्तेदारों के यहां आए हों। इस पर बादशाह अकबर ने कहा कि अगर कम हुए तो? तब बीरबल बोले कि हो सकता है कि हमारे राज्य के कौवे दूसरे देश अपने रिश्तेदारों के यहां गए हों। जैसे ही बीरबल ने यह बात कही पूरा दरबार ठहाकों से गूंज उठा और एक बार फिर बीरबल अपनी बुद्धि के कारण प्रशंसा के पात्र बन गए।

कहानी से सीख- बच्चों, इस कहानी से यह सीख मिलती है कि अगर दिमाग का इस्तेमाल किया जाए, तो हर समस्या का हल और सवाल का जवाब ढूंढा जा सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — पुराना रोग उभर सकता है। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

वृषभ — व्यवसाय में ध्यान देना पड़ेगा। व्यर्थ समय न गंवाएं। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें।

मिथुन — घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कर्क — कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति निर्मित होगी। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

सिंह — बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

कन्या — पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। लाभ होगा।

तुला — दूर से बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। बेवजह तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। फालतू बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक — कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता बनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी।

धनु — उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

मकर — नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति संभव है। यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कुम्भ — फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। आय होगी। संतुष्टि नहीं होगी।

मीन — यात्रा लाभदायक रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी शराब की लत के कारण मेरे परिवार को काफी कुछ झेलना पड़ा : बॉबी देओल

इन दिनों 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' सीरीज को लेकर बॉबी देओल चर्चा में हैं। अभिनेता का करियर भी अच्छा चल रहा है। लेकिन एक वक्त था, जब उनका करियर खत्म होने के कगार पर पहुंच गया, तब वह अल्कोहल एडिक्शन के शिकार हुए। शराब की लत ने उनकी और परिवार की जिंदगी खराब कर दी थी। इस बारे में बॉबी देओल ने खुलकर बात की है। बॉबी ने हाल ही में एक पाडकास्ट में अपनी शराब की लत के बारे में बात की। वह कहते हैं, 'मैंने बहुत पीना शुरू कर दिया, बिना यह समझे कि शराब मेरे साथ क्या कर रही है। मैं दुनिया को मेरी क्षमता को न पहचानने का दोष देता रहा। मुझे दूसरे एक्टर्स से जलन होती थी, लेकिन यह नहीं सोचता था कि वे सफल क्यों हो रहे हैं। लोग उन्हें इसलिए पसंद कर रहे थे क्योंकि वे कड़ी मेहनत कर रहे थे। सलमान खान और शाहरुख खान अपने कॉन्फिडेंस और कड़ी मेहनत की वजह से ही आज टॉप पर हैं।' वह पॉडकास्ट में कहते हैं, 'आप यह मानने लगते हैं कि आप बेकार हैं, यह बात आपको निराश कर देती है। क्योंकि मैं बहुत भावुक हूं, शराब ने मुझे और कमजोर कर दिया। उस समय शराब ही मेरा एकमात्र सहारा थी।' बॉबी देओल ने बताया कि शराब की लत के कारण उनके परिवार को काफी कुछ झेलना पड़ा। वह पॉडकास्ट में कहते हैं, 'मैं रोज पीता था, लेकिन जब भी पीता था, तो मेरा परिवार मुझसे डर जाता था। मैं घर पर ही रहता था और एक दिन मैंने अपने बेटे को अपनी पत्नी से कहते सुना, मां आप रोज काम पर जाती हो, लेकिन पापा घर पर ही रहते हैं। इस बात ने सब कुछ बदल दिया। मैं इस बात को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा था। सोचने लगा कि मैं कैसा पिता बन रहा था?

सूर्या-ज्योतिका की बेटी दीया की फिल्मों में हुई इंट्री, निर्देशन के क्षेत्र में रखा कदम

साउथ स्टार सूर्या और उनकी पत्नी व एक्ट्रेस ज्योतिका की एक्टिंग विरासत को अब उनकी बेटी दीया सूर्या आगे ले जा रही हैं। हालांकि, दीया ने माता-पिता की तरह अभिनय की दुनिया में नहीं, बल्कि बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत की है। दीया ने पारिवारिक बैनर 2 डी एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित डॉक्यू-ड्रामा शॉर्ट फिल्म लीडिंग लाइट से निर्देशन में कदम रखा है।

लीडिंग लाइट बॉलीवुड में काम करने वाली महिला क्रू के सफर पर केंद्रित है। मौजूदा वक्त में यह फिल्म लॉस एंजिल्स के रीजेंसी थिएटर में ऑस्कर क्वालीफाइंग रन के लिए प्रदर्शित हो रही है, जो दीया के करियर की एक शानदार शुरुआत है। लीडिंग लाइट एक डॉक्यूमेंट्री ड्रामा है, जो फिल्म मेकिंग में पर्दे के पीछे रहकर लाइटनिंग का काम करने वाली महिलाओं के जीवन और उनके सफर को दिखाती है। यह एक ऐसा पहलू और लोग हैं, जिन्हें अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। इनकी कहानियां शायद ही कभी पर्दे पर दिखाई देती हैं। ऐसे में एक ऐसे विषय पर बनी फिल्म से अपनी शुरुआत करना दीया की हिम्मत को दिखाता है।

यह शॉर्ट फिल्म 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक रीजेंसी थिएटर में हर दिन प्रदर्शित हो रही है। अपने नए नजरिये और जबरदस्त कहानी कहने के अंदाज से लीडिंग लाइट दर्शकों और समीक्षकों दोनों का ध्यान आकर्षित कर रही है। सूर्या और ज्योतिका हैं निर्माता

इस फिल्म के निर्माता सूर्या और ज्योतिका हैं, जिन्होंने अपनी बेटी के इस प्रोजेक्ट को सपोर्ट किया है। उन्होंने फिल्म की शुरुआत की घोषणा करते हुए कहा कि 2डी एंटरटेनमेंट के बैनर तले, हमें दीया सूर्या द्वारा निर्देशित एक डॉक्यू-ड्रामा लीडिंग लाइट का समर्थन करते हुए गर्व हो रहा है। यह बॉलीवुड की महिला क्रू के जीवन पर आधारित है।

इमरान हाशमी की ओजी सिर्फ 2 दिन में ही बन गई 100 करोड़ी

पवन कल्याण और इमरान हाशमी की फिल्म दे कॉल हिम ओजी ने ओपनिंग डे पर 84.7 करोड़ रुपये कमाए। हालांकि, इसमें 21 करोड़ रुपये की वो कमाई भी जुड़ी हुई है जो पेड प्रिव्यू से हुई थी। ऐसा करते ही ये इस साल की सबसे बड़ी ओपनिंग लेने वाली कुली को पछाड़ते हुए नंबर 1 पहुंच चुकी है।

अब फिल्म आज बॉक्स ऑफिस पर अपने दूसरे दिन के लिए बिजनेस कर रही है, तो चलिए जान लेते हैं कि फिल्म और कौन सा रिकॉर्ड बना चुकी है। ओजी ने पहले दिन 63.7 करोड़ रुपये कमाए और इसमें 21 करोड़ का पेड प्रिव्यू मिलाकर ये 84.7 करोड़ पहुंचता है। वहीं दूसरे दिन सैक्निल्क के मुताबिक 10:30 बजे तक फिल्म के खाते में 19.24 करोड़ रुपये आ चुके हैं। टोटल कलेक्शन की बात करें तो ये 103.99 करोड़ रुपये हो चुका है। बता दें कि ये आंकड़े अभी फाइनल नहीं हैं। इनमें बदलाव हो सकता है। इमरान हाशमी ने 22 साल के करियर में 40 से ज्यादा फिल्में की हैं, लेकिन उनकी कोई भी फिल्म अभी तक 100 करोड़ का आंकड़ा नहीं पार कर पाई थी ओजी की वजह से इमरान को उनकी पहली 100 करोड़ी फिल्म मिली है। दे कॉल हिम ओजी ने सिर्फ इंडिया में ही नहीं बल्कि ओपनिंग डे पर वर्ल्डवाइड भी डंका बजाया है। इस फिल्म ने मेकर्स के मुताबिक, पहले ही दिन 154 करोड़ रुपये का ग्रॉस वर्ल्डवाइड कलेक्शन कर लिया है। बता दें कि सुजीत के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को 250 करोड़ रुपये के बजट में तैयार किया गया है और ये फिल्म अपने बजट का दो तिहाई हिस्सा निकाल चुकी है।

अजब-गजब | यहां होती है सच्ची रामलीला

दशहरे के दिन हो जाती है रावण बनने वाले की मौत

देश में इस समय कई जगहों पर रामलीला का मंचन किया जा रहा है। दशहरे वाले दिन रामलीला में रावण वध का मंचन किया जाता है। लेकिन आपको जानकर आश्चर्य होगा कि एक रामलीला ऐसी भी है, जिसमें दशहरे वाले दिन रावण नहीं मरता। इस रामलीला को सच्ची रामलीला के नाम से भी जाना जाता है। अगर दशहरे के अगले दिन शनिवार पड़ता है तो उस दिन भी रावण वध नहीं होता है। ऐसे में रावण का वध एक और दिन के लिए टाल दिया जाता है। इसके पीछे एक वजह भी है। यह अनोखी रामलीला बीसलपुर में होती है।

उत्तर प्रदेश के बीसलपुर की सच्ची रामलीला में दशहरे के दिन रावण वध इसलिए नहीं होता क्योंकि यहां रामलीला के कार्यक्रम के दौरान रावण का किरदार निभाने वाले गंगा विष्णु उर्फ कल्लू मल, अक्षय कुमार और गणेश कुमार की मृत्यु राम और रावण के युद्ध के दौरान हुई थी। इसके बाद से यहां रावण का वध विजय दशमी के दिन नहीं किया जाता। इस रामलीला की एक और खास बात यह है कि यहां रामलीला मंच पर नहीं, खुले ग्राउंड पर होती है।

साल 1941 में बीसलपुर के रहने वाले गंगा उर्फ कल्लू मल ने पहली बार रामलीला में रावण की भूमिका निभाई थी। रामलीला के मंचन के समय रावण वध के दौरान राम का तीर लगने से कल्लू मल की मौत हो गई थी। इस रामलीला के दौरान इत्तेफाक से ऐसा तीन बार हो चुका है। तीनों बार राम-रावण युद्ध के दौरान रावण का किरदार निभा रहे लोगों की मौत हो गई थी। कल्लूमल की मौत के बाद से रामलीला ग्राउंड में ही दशानन की एक बड़ी मूर्ति लगा दी गई है। इस पर लिखा गया कि राम के तीर से कल्लूमल बने रावण को मोक्ष प्राप्त हुआ है।

कल्लूमल की मृत्यु के बाद इसी ग्राउंड पर उसका अंतिम संस्कार किया गया था। उसके अंतिम संस्कार में लोगों की भारी भीड़ थी। उनकी चिता जलाने के बाद कल्लू मल की अस्थियां और राख लोग उठाकर भाग गए थे। परिवार के लोगों को कल्लूमल की अस्थियां, राख तक नहीं मिल पाई थी।

कल्लूमल की मृत्यु के 46 साल बाद 1987 में दशहरे के दिन रावण वध लीला का मंचन हो रहा था। मैदान दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था। डीएम और एसपी भी वहां मौजूद थे। लीला मंचन के दौरान रावण वध के लिए भगवान राम का किरदार निभा रहे पात्र ने रावण का किरदार निभा रहे विष्णु पर बाण चलाया। बाण लगते ही गंगा विष्णु जमीन पर गिर पड़े। काफी देर तक लोग यही समझते रहे कि विष्णु अभिनय कर रहा है। जब काफी देर तक वह नहीं उठा तो उसे डॉक्टर को दिखाया गया। डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। तब से ही यह रामलीला सच्ची लीला के नाम से मशहूर हो गई।

अब यहां के लोग रावण की पूजा करते हैं। यहां जो भी काम होता, वह लंकेश के नाम से ही होता है। रावण के परिवार के लोग उन्हीं के नाम से अपने सारे संस्थान चलाते हैं। रावण के नाम से यहां एक मंदिर भी है। उनके परिवार के लोग आज भी जय राम नहीं, जय रावण बोलते हैं। यह रामलीला काफी प्रसिद्ध है और दूर-दूर से लोग यहां रामलीला देखने आते हैं। हर बार जब रावण वध का मंचन होता है, तो सभी की सांसे रुक जाती हैं। नाटक के दौरान रावण के जब तीर लगता है, तो वह गिर जाता है उसके बाद जब तक उठ नहीं जाता है, तब तक लोगों की आंखें रावण पात्र की लगी रहती हैं।

यहां प्रेग्नेंट होते ही बरसने लगते हैं पैसे, खुद सरकार देती है खर्चा

साउथ कोरिया नाम का देश ऐसा है जहां प्रेग्नेंसी कन्फर्म होते ही सरकार पैसों की बरसात शुरू कर देती है। यहां बच्चे के जन्म से लेकर आठ साल की उम्र तक का पूरा खर्चा सरकार उठाती है, जिससे माता-पिता बिल्कुल टेंशन फ्री हो जाते हैं। साउथ कोरिया की ये स्कीम 'लो बर्थ रेट' की समस्या से निपटने के लिए लाई गई है। देश में जन्म दर घटकर 0.7 पर पहुंच गई है, जो दुनिया में सबसे कम है। सरकार ने 2006 से शुरू की गई चाइल्डकेयर सपोर्ट को 2025 में और मजबूत किया है। प्रेग्नेंसी कन्फर्म होते ही मिलने वाले फाइनेंशियल बेनिफिट्स की डिटेल्स बताते हैं। सबसे पहले, मेडिकल चेकअप और दवाइयों के लिए 10 लाख कोरियन वॉन (करीब 63,100 रुपये) दिए जाते हैं। ये नेशनल हेल्थ इंश्योरेंस के तहत मिलता है, जिसमें प्रेग्नेंसी से जुड़े सभी हॉस्पिटल विजिट्स कवर होते हैं। इसके अलावा, ट्रांसपोर्ट के लिए स्पेशल 7 लाख वॉन (करीब 44,000 रुपये) का ग्रांट है, जो टैक्सी, बस या प्राइवेट कार के फ्यूल पर खर्च किया जा सकता है। ये सुविधा सुनिश्चित करती है कि गर्भवती महिलाएं बिना किसी परेशानी के डॉक्टर के पास पहुंच सकें। फिर बच्चे के जन्म पर 'फर्स्ट एनकाउंटर वाउचर' के नाम से 20 लाख वॉन (करीब 1 लाख 26 हजार रुपये) का एकमुश्त भुगतान होता है। ये फर्स्ट चाइल्ड के लिए है, जबकि दूसरे या तीसरे बच्चे पर ये रकम 30 लाख वॉन तक बढ़ जाती है। ये पैसे बेबी प्रोडक्ट्स, हॉस्पिटल बिल्स या पोस्टपार्टम केयर पर इस्तेमाल किए जा सकते हैं। 2025 के बजट में इस वाउचर को और बढ़ाया गया है, ताकि नए पैरेंट्स को शुरुआती चुनौतियों से निपटने में आसानी हो। जन्म के बाद असली खेल शुरू होता है। पहले साल (0-12 महीने) तक हर महीने 10 लाख वॉन (63,100 रुपये) का पेरेंटल अलाउंस मिलता है। ये पैरेंटल लीव के दौरान दिया जाता है, जिसमें मैटरनिटी और पेटर्निटी लीव दोनों शामिल हैं। 2025 से पेटर्निटी लीव 20 दिनों की हो गई है, जो बच्चे के जन्म के 120 दिनों के अंदर लेनी होती है। ये अलाउंस अब 25 लाख वॉन प्रति माह तक बढ़ा दिया गया है, जो पहले 21 लाख था। एक से दो साल की उम्र तक ये रकम आधी हो जाती है, यानी 5 लाख वॉन (31,000 रुपये) मासिक। ये कैश या चाइल्डकेयर वाउचर के रूप में मिल सकता है, अगर बच्चा डेकेयर में हो। फिर दो से आठ साल की उम्र तक चाइल्ड अलाउंस के तहत 10 लाख वॉन (12,600 रुपये) हर महीने। 2025 में ये अलाउंस 8 साल से बढ़ाकर 13 साल तक करने की योजना है, जो 2030 तक पूरी हो जाएगी। कुल मिलाकर, एक बच्चे के लिए आठ साल में करीब 3 करोड़ वॉन (करीब 19 लाख रुपये) का सपोर्ट मिल जाता है। ये सिर्फ कैश नहीं, बल्कि फ्री चाइल्डकेयर, एजुकेशन और हाउसिंग सब्सिडी भी शामिल है। उदाहरण के लिए, सियोल में नए पैरेंट्स को सस्ते अपार्टमेंट मिलते हैं, जहां किराया महज 22 डॉलर मासिक होता है। साथ ही, 3-5 साल के बच्चों के लिए फ्री प्री-स्कूल 2027 तक शुरू करने का प्लान है।

केंद्र के धोखा देने से बिगड़े हालात : उमर

बोले- लद्दाख और जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने में देरी ठीक नहीं

» सीएम का तंज- कल तक वांगचुक में कोई दोष नहीं था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। लद्दाख में हुए हिंसा के बाद वहां पर सियासी वार-पलटवार रुकने का नाम नहीं ले रहा है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र पर अपने वादों को पूरा न कर लद्दाख व जम्मू-कश्मीर दोनों के साथ विश्वासघात करने और राज्य का दर्जा बहाल करने में देरी कर अविश्वास बढ़ाने का आरोप लगाया। उमर ने वरिष्ठ पत्रकार और लेखिका हरिंदर बावेजा की नवीनतम पुस्तक 'दे विल शूट यू, मैडम माई लाइफ थ्रू कॉन्फ्लिक्ट' के विमोचन के अवसर पर कहा कि सरकार पहले जम्मू-कश्मीर और अब लद्दाख के लिए अपनी रूपरेखा पर अमल करने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि लद्दाख को 'असंभव' आश्वासन देकर गुमराह किया गया।

अब्दुल्ला ने बताया, जब आप चाहते थे कि वे (लद्दाख) हिल काउंसिल चुनावों में हिस्सा लें, तो आपने उन्हें छठी अनुसूची देने का वादा कर दिया। सभी जानते थे कि लद्दाख को छठी अनुसूची देना लगभग असंभव था। एक तरफ चीन और दूसरी तरफ पाकिस्तान से सीमा साझा करने वाले इस क्षेत्र के लिए भारी सुरक्षा बलों की आवश्यकता होती है, जिसे छठी अनुसूची असंभव बना देती है। फिर भी, आपने चुनावी भागीदारी दिलाने के वादे किए। मुख्यमंत्री ने लद्दाखी नेताओं, खासकर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के प्रति रुख में अचानक आए बदलाव की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, एक सज्जन (वांगचुक), जो कल तक प्रधानमंत्री की पर्यावरण योद्धा के रूप में प्रशंसा कर रहे थे और 2019 में लद्दाखियों के सपनों को पूरा करने के लिए उन्हें (मोदी को) केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद दे रहे थे... तब किसी ने उनमें कोई दोष नहीं पाया। आज, अचानक हमें एक पाकिस्तानी कनेक्शन मिल गया। दो दिन पहले, ऐसा कुछ नहीं था। कहां से आया यह? अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर की राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग पर केंद्र सरकार पर अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

भाजपा के झूठे वादे ने भड़काया लद्दाख आंदोलन : तारिक

जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष तारिक कर्रा ने कहा कि भाजपा की झूठी उम्मीदों और केंद्र सरकार की बेरुखी ने लद्दाख में हो रहे आंदोलन को जन्म दिया है। भाजपा ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने का वादा किया था, जिसे पूरा नहीं किया गया।

तारिक ने बताया यदि भाजपा ने अपने वादे निभाए होते तो आज की यह स्थिति नहीं होती। भाजपा केंद्र सरकार की गलतियों और वादाखिलाफी को छुपाने के लिए कांग्रेस पर आरोप लगा रही है। लद्दाख में राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन में 24 सितंबर को हिंसा भड़क गई थी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए। इस दौरान जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया। तारिक कर्रा ने कहा कि कांग्रेस आंदोलन के दौरान हुई आगजनी और गोलीबारी की कड़ी निंदा करती है और मृतकों के परिवारों के प्रति सहानुभूति प्रकट करती है। सरकार अगर सोचती है कि सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी से आंदोलन थमेगा तो वह गलतफहमी में है। उन्होंने यह भी कहा कि लद्दाख एक संवेदनशील क्षेत्र है, जो दो तरफ से पाकिस्तान और चीन जैसे दुश्मन देशों से घिरा है। चीन पहले से ही लद्दाख के कुछ इलाकों में घुसपैठ कर चुका है। ऐसे में केंद्र सरकार को सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए, न कि राजनीति। तारिक कर्रा ने बताया कि जो लोग अब केंद्र सरकार और स्थानीय प्रशासन के खिलाफ विरोध कर रहे हैं, वे वही लोग हैं जिनका भाजपा ने पहले इस क्षेत्र में दुरुपयोग किया था।

पाकिस्तान कनेक्शन पूरी तरह झूठा : गीतांजलि अंगमो

श्रीनगर। लेह हिंसा के लिए सुरक्षा बलों को जिम्मेदार ठहराते हुए, सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने उनके पाकिस्तान कनेक्शन आरोपों का कड़ा खंडन किया है। उन्होंने बताया कि वांगचुक का विरोध गांधीवादी था, जिसे 24 सितंबर को सीआरपीएफ की कार्रवाई ने हिंसक बना दिया, वहीं पुलिस इसे आत्मरक्षा बताती है। अंगमो ने एनएसए के तहत गिरफ्तारी पर सवाल उठाते हुए उनके पाकिस्तान दौरे को जलवायु-केंद्रित बताया। जोधपुर जेल में बंद वांगचुक की पत्नी ने लेह में हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों के हिंसक होने के लिए सुरक्षा बलों को जिम्मेदार ठहराया है। अंगमो ने कहा कि वांगचुक वर्षों से सर्वाधिक गांधीवादी तरीके से विरोध कर रहे थे, लेकिन 24 सितंबर को केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल की कार्रवाई के कारण स्थिति बिगड़ गई, जिसके परिणामस्वरूप चार लोगों की मौत हुई। हालांकि, पुलिस का कहना है कि भीड़ के हिंसक होने और स्थानीय भाजपा कार्यालय में आग लगाने के बाद उन्होंने आत्मरक्षा में कार्रवाई की थी। अंगमो ने बताया कि वांगचुक को को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार कर जोधपुर जेल भेज दिया गया, लेकिन उन्हें नजरबंदी आदेश नहीं दिखाए गए हैं। वांगचुक की पत्नी ने उन पर कठोर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाए जाने पर सवाल उठाया, जिसके तहत उन्हें बिना किसी मुकदमे के 12 महीने तक हिरासत में रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि वांगचुक निश्चित रूप से किसी भी सार्वजनिक व्यवस्था के लिए खतरा नहीं हैं।

वोट चोरी भारत की अखंडता के लिए खतरा: वेणुगोपाल

» कांग्रेस महासचिव ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि 'वोट चोरी' भारत की अखंडता के लिए खतरा है और उन्होंने केंद्र पर 'मतदाता सूची में हेराफेरी' करने का आरोप लगाया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'कथित वोट चोरी और मतदाता सूची में हेराफेरी ने लोकतंत्र की बुनियाद में लोगों का विश्वास डिगा दिया है।' वेणुगोपाल इस मुद्दे पर पार्टी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी 'वोट चोर, गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान में शामिल हुए। उन्होंने इस तटीय जिले के अपने वार्ड कैथवना में आयोजित अभियान में हिस्सा लिया।

अलप्पुझा के सांसद ने 'एक्स' पर पोस्ट में आरोप लगाया, 'वोट चोरी कोई मामूली अपराध नहीं है। यह हमारे संविधान, हमारी अर्थव्यवस्था, सामाजिक न्याय और भारत की अखंडता के लिए एक बड़ा खतरा है। वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस पूरे भारत में पांच करोड़ हस्ताक्षर एकत्र करेगी। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि यह अभियान एक जन आंदोलन के रूप में गति पकड़ रहा है, तथा उन्होंने 'लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले प्रत्येक नागरिक से संविधान की रक्षा करने और भारत की आत्मा को बचाने के लिए इस संघर्ष में शामिल होने का आह्वान किया।

बारिश प्रभावित इलाकों में जल्द राहत कार्य शुरू करे सरकार : शरद पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार से राज्य के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश से हुई तबाही का हवाला देते हुए व्यापक राहत और पुनर्वास उपायों को तत्काल लागू करने का आग्रह किया। पवार ने कहा कि 'पंचनामा' प्रक्रिया को कठोर समय-सीमाओं तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समय पर आकलन पूरा करना अक्सर ऐसी अभूतपूर्व आपदाओं के दौरान असंभव होता है।

उन्होंने कहा, बाद में स्पष्ट होने वाले नुकसान-जैसे कि संरचनात्मक क्षति के कारण मकानों का ढह जाना या बाढ़ का पानी उतरने के बाद फसलों और पशुओं का प्रभावित होना के लिए भी मुआवजे पर विचार किया जाना चाहिए। राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण कई जिलों में स्थिति विकट बनी हुई है। हजारों लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। यह भी सुझाव दिया कि तत्काल वित्तीय सहायता के अलावा सरकार को दीर्घकालिक पुनरुद्धार और पुनर्वास योजना तैयार करनी चाहिए।

बाढ़ प्रभावित किसानों को दिवाली से पहले राहत राशि देना चाहती है सरकार : एकनाथ शिंदे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित किसानों के लिए धनराशि वितरित कर रही है और वह यह सुनिश्चित करना चाहती है कि दिवाली से पहले राहत राशि सभी किसानों तक पहुंच जाए। महाराष्ट्र में 20 सितंबर से जारी भारी बारिश और उसके कारण उफनाई नदियों के चलते राज्य के कई हिस्सों, खासकर मराठवाड़ा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। सरकार के मुताबिक, वर्षा जनित हादसों में कम से कम नौ लोगों की जान गई है, जबकि बाढ़ के कारण 30,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। शिंदे ने कहा, हमने खेतों का दौरा किया है और स्थिति का जायजा लिया है। हमारी सरकार किसानों के साथ दृढ़ता से खड़ी है। हमने केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात की और उन्हें मदद के लिए एक पत्र सौंपा है। जब भी कोई संकट आया है, केंद्र ने हमेशा सहयोग दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने भी प्रधानमंत्री से मुलाकात कर उन्हें महाराष्ट्र में भारी बारिश से उपजी स्थिति से अवगत कराया है।

अजेय रहते भारत ने जीता एशिया कप

» तिलक और कुलदीप के दम पर पाकिस्तान को चटाई धूल

» रिंकू ने लगाया जीत का चौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारत ने पाकिस्तान को हराकर एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया है। भारतीय टीम ने 2023 में वनडे प्रारूप के बाद 2025 में टी20 प्रारूप का एशिया कप जीत लिया है। भारत के लिए तिलक वर्मा ने अंत तक टिके रहकर टीम को अभूतपूर्व जीत दिलाई। भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया।

भारत ने कुलदीप यादव की शानदार गेंदबाजी की मदद से पाकिस्तान की पारी 19.1 ओवर में 146 रन पर ढेर कर दी। लक्ष्य का पीछा करते हुए तिलक ने नाबाद 69 रन बनाए जिसके दम पर भारत ने 19.4 ओवर में पांच विकेट पर 150 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। भारत के लिए जीत का चौका रिंकू सिंह ने लगाया। रिंकू के चौका लगाते ही ड्रेसिंग रूम में भारतीय सदस्य और मैदान पर दर्शक खुशी से झूम उठे। जूझारू पारी खेलने वाले तिलक ने खुशी में बल्ला लहराया और पाकिस्तान के खिलाड़ी एक बार फिर मुंह लटका कर खड़े रहे। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगा दी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने पावरप्ले में ही तीन विकेट गंवा दिए थे। लेकिन तिलक ने संजू सैमसन के साथ साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी की। सैमसन 24 रन बनाकर आउट हुए। फिर आखिरी विकेट दुबे 33 रन रूप में गिरा।

खेल के मैदान पर भी ऑपरेशन सिंदूर: पीएम

नई दिल्ली। एशिया कप में भारत की जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा, खेल के मैदान पर भी ऑपरेशन सिंदूर। यहां भी नतीजा वही- भारत जीता। हमारे क्रिकेटरों को इसके लिए बधाई।

एशिया कप में अभिषेक और कुलदीप रहे अव्वल

दुबई। अभिषेक शर्मा का बल्ला एशिया कप 2025 में जमकर गरजा और उन्होंने इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाए हैं। एशिया कप के पूरे टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। अभिषेक ने जहां सर्वाधिक रन बनाए, वहीं सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में कलाई के स्पिनर कुलदीप सबसे आगे रहे। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में अभिषेक 314 रनों के साथ शीर्ष पर रहे। दूसरे स्थान पर श्रीलंका के पाथुम निसांका है जिन्होंने 261 रन बनाए हैं। वहीं कुलदीप पूरे एशिया कप के दौरान में कुल 17 विकेट लिए।

पाक से मैच पर नहीं रुक रहा बवाल

» विपक्ष ने उठाए भाजपा पर सवाल, शिवसेना-यूबीटी गुट से राज्यसभा सांसद ने किए तीखे प्रहार

» बोले नेता-भारत की समस्या क्रिकेट की पिच नहीं, बल्कि आतंकवाद की पिच है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारत की एशिया कप में पाक पर शानदार जीत पर राष्ट्रपति, पीएम मोदी, विदेश मंत्री से लेकर सीएम योगी व कई दिग्गज नेताओं तक ने टीम इंडिया को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बधाई दी है। वहीं दूसरी ओर शिवसेना (यूबीटी) गुट समेत विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए हैं।

प्रियंका चतुर्वेदी ने सवाल उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान के साथ भारत की समस्या क्रिकेट की पिच नहीं, बल्कि आतंकवाद की पिच है, जिसपर वे खेलते हैं, जिससे मेरे देश को नुकसान पहुंचता है और हर भारतीय को यह बात याद रखनी चाहिए।

असली देशभक्तों ने फाइनल मैच नहीं देखा : राउत

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल खेलने को लेकर भाजपा और भारतीय क्रि केट टीम की आलोचना की। एक्स पर पोस्ट किए गए अपने वीडियो का हवाला देते हुए, राउत ने कहा कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी से हाथ मिलाया था। उन्होंने कहा मुझे भाजपा के नकली देशभक्तों और भक्तों के बारे में नहीं पता, लेकिन असली देशभक्तों ने कल मैच नहीं देखा। आपने पीसीबी प्रमुख नकवी से ट्रॉफी नहीं ली, लेकिन मैंने एक वीडियो शेयर किया जिसमें भारतीय कप्तान उनसे हाथ मिलाते, चाय पीते और तस्वीरें खिंचवाते दिख रहे हैं। क्या आपको लगता है कि जनता मूर्ख है?

इसके अलावा, उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मैच को भारतीय सेना और पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों का अपमान बताया। उन्होंने कहा कि हमारा सवाल है कि आप पाकिस्तान के साथ क्यों खेल रहे हैं? आपको पहलगाम में शहीद हुए सैनिकों और शहीद हुए लोगों का अपमान नहीं करना चाहिए। आपने ट्रॉफी नहीं ली, उनके कप्तान से हाथ नहीं मिलाया, फिर मैच क्यों खेला? अगर खेला, तो ये ड्रामा बंद करो।

मैच के बाद की कार्रवाई, राष्ट्रवादी ड्रामा

सोमवार को राउत ने एक्स पर वीडियो शेयर किया और मैच के बाद की कार्रवाई को राष्ट्रवादी ड्रामा बताया। उन्होंने लिखा, सिर्फ़ 15 दिन पहले, सीरीज़ की शुरुआत में, वे पाकिस्तान के मंत्री मोहसिन नक़वी से हाथ मिला रहे थे और तस्वीरें खिंचवा रहे थे। और अब? कैमरों के लिए पूरी तरह से राष्ट्रवादी ड्रामा! अगर देशभक्ति सच में आपके खून में होती, तो आप पाकिस्तान के साथ मैदान पर कदम भी नहीं रखते। ऊपर से नीचे तक - शुद्ध नाटक। जनता के साथ खेला जा रहा है।

बीसीसीआई से मिले रेवेन्यू का प्रयोग आतंकी ठिकानों के लिए करेगा पाकिस्तान : प्रियंका

प्रियंका चतुर्वेदी ने सोमवार (29 सितंबर, 2025) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर भारत-पाक मैच को लेकर कहा कि बस याद दिला दूं कि टीम बीसीसीआई ने मैच जीत लिया है, लेकिन एशिया कप से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को रेवेन्यू मिला है, जिससे पाकिस्तान मुरीदके जैसे अपने आतंकी ठिकानों को फिर से खड़ा करने में कामयाब होगा। इस उत्साह के बीच बस एक गंभीर चेतावनी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत की जीत पर एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि एशिया कप जीतने पर टीम इंडिया को बधाई. नया भारत कमाल कर रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर के बीच खेल क्यों हुआ : पाटिल

महाराष्ट्र कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता अतुल लोंधे पाटिल ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि अंतरराष्ट्रीय क्रि केट परिषद के अध्यक्ष और उनके बेटे जय शाह पाकिस्तानी टीम को बाहर क्यों नहीं करते। उन्होंने कहा, यह अच्छी बात है, लेकिन हम पूछना चाहते हैं कि क्या ऑपरेशन सिंदूर खत्म हो गया है? अगर यह खेल रिश्तों को सामान्य बनाने के लिए खेला जा रहा होता, तो बात समझ में आती, लेकिन ऑपरेशन के बीच में यह कैसे हो सकता है? क्या यह पैसे के लिए हो रहा है? अमित शाह कहते हैं कि यह आईसीसी द्वारा आयोजित किया जाता है, तो उनके बेटे के अध्यक्ष रहते हुए आईसीसी पाकिस्तान को बाहर क्यों नहीं कर सकता?

जीत की बधाई देने में पाक से इजाजत का इंतजार कर रहे राहुल गांधी : मालवीय

» नेता प्रतिपक्ष की खामोशी पर भाजपा का तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा के सूचना एवं प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय प्रभारी अमित मालवीय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारतीय क्रिकेट टीम को एशिया कप में पाकिस्तान पर जीत की बधाई न देने के लिए निशाना साधा है। मालवीय ने कहा कि कांग्रेस ने टीम इंडिया की जीत पर बयान देने से परहेज किया है, जैसा कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान को निशाना बनाए जाने के बाद किया था।

मालवीय ने एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, ऐसा लगता है कि एशिया कप फ़ाइनल में पाकिस्तान पर भारत की शानदार जीत ने राहुल गांधी और पूरी कांग्रेस को बेहोशी की हालत में पहुँचा दिया है। ठीक वैसे ही जैसे ऑपरेशन सिंदूर के बाद, जब वे भारतीय सेना को उसके ज़बरदस्त हमलों के लिए बधाई देने के लिए खुद को तैयार नहीं कर पाए थे। अमित मालवीय ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख मोहसिन नक़्वी का जिक्र करते हुए लिखा, ऐसा लगता है कि अब वे भारतीय क्रिकेट टीम की सफलता का जश्न मनाने में देश के साथ शामिल होने से पहले मोहसिन नक़्वी और पाकिस्तान में अपने अन्य आकाओं से इजाज़त का इंतज़ार कर रहे हैं। कांग्रेस पर भारत के प्रतिद्वंद्वी और पड़ोसी पाकिस्तान का साथ देने का आरोप लगाते हुए, मालवीय ने एक्स पर लिखा, इसे एक तरफ़ रख दीजिए – कांग्रेस की ओर से सोशल मीडिया पर एक भी पोस्ट नहीं आया जिसमें हमारी राष्ट्रीय टीम को टूर्नामेंट में पाकिस्तान को तीन बार हराने और एशिया कप जीतने के लिए बधाई दी गई हो। एक बार फिर, पाकिस्तान, राहुल गांधी और कांग्रेस खुद को एक ही पक्ष में पाते हैं।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी पर हत्या का आरोप

» प्रशांत किशोर बोले- शिल्पी गौतम हत्याकांड में अभियुक्त थे डिप्टी सीएम

» सम्राट चौधरी को फौरन इस्तीफा देना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने फिर से उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर बड़ा आरोप लगाया है। पटना में सोमवार दोपहर प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी बिहार सबसे चर्चित शिल्पी हत्याकांड में संदिग्ध अभियुक्त थे। उस समय सम्राट चौधरी ने राष्ट्रीय जनता दल में थे।

साधु यादव के साथ इन्हें भी अभियुक्त बनाया गया था। इस केस की जांच सीबीआई ने भी की। सीबीआई की टीम ने सम्राट चौधरी उर्फ राकेश कुमार से पूछताछ की थी। उनका सैंपल भी लिया था। लेकिन, उस वक्त लालू प्रसाद यादव सरकार में थे। उन्होंने साधु यादव को बचाने के लिए पूरा केस खत्म करवा दिया। लेकिन, बिहार की जनता इस केस के बारे में जानती है। पीके ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार सम्राट चौधरी को गिरफ्तार करवाए या फिर जिन पर हत्या का आरोप है उनको जेल से बाहर करवा दें। प्रशांत किशोर ने कहा कि सम्राट चौधरी पर छह लोगों की हत्या का आरोप है। मुंगेर में उनपर कांग्रेस नेता की हत्या का आरोप लगा था। उस वक्त कोर्ट ने उन्हें केवल नाबालिग होने के नाम पर राहत दी थी। लेकिन, बरी नहीं किया था। हत्या के आरोपी सम्राट चौधरी लेकिन, फिर से वह डिप्टी सीएम हैं। पीएम मोदी और सीएम नीतीश कुमार को फौरन उनसे इस्तीफा देना चाहिए। सम्राट चौधरी से मेरा सवाल है कि वह कब बताएंगे कि आपका नाम शिल्पी गौतम केस में था? सीबीआई ने सम्राट चौधरी से उसमें पूछताछ की थी या नहीं? यह बात भी वह स्पष्ट करें। क्योंकि, अगर वह ऐसा नहीं करेंगे तो अगली बार में सीबीआई की पूरी रिपोर्ट जारी करूंगा।

कांग्रेस नेता सदानंद सिंह की हत्या का आरोप

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर प्रशांत किशोर ने बड़ा आरोप लगाया था कि सम्राट चौधरी का पहला नाम सम्राट कुमार मौर्य है। 1998 में कांग्रेस के बड़े नेता सदानंद सिंह की हत्या कर दी गई। इस हत्या का आरोप सम्राट चौधरी पर लगा कि इन्होंने बम मारकर सदानंद सिंह समेत छह लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद केस हुआ। सम्राट चौधरी जेल गए। छह महीने बाद नाबालिग होने के नाम पर वह जेल से निकले। जनता को मैं बता रहा हूं कि आपका उपमुख्यमंत्री मर्डर का अभियुक्त है। वह जेल गए हैं। प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि पहली बार मंत्री बनने के बाद सम्राट पर उम्र घोटाला का आरोप लगा। केस भी हुआ। इसके बाद उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा।

बीजेपी ने 19 नेताओं की बनाई खास टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पूरी तरह से कमर कस रही है। बीजेपी ने मेनिफेस्टो कमेटी के गठन के बाद अब प्रदेश चुनाव समिति भी स्थापित कर दी है। इस समिति में कुल 15 नेताओं को जगह दी गई है जबकि पदेन सदस्य के रूप में एक, विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में 3 लोगों को शामिल किया गया है।

इस प्रकार कुल 19 नेताओं की टीम तय की गई है, जो प्रदेश चुनाव समिति के रूप में विधानसभा चुनावों के लिए काम करेगी। प्रदेश चुनाव समिति में डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल, सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, राधा मोहन सिंह, गिरिराज सिंह, नन्दकिशोर यादव,

नित्यानन्द राय, मंगल पाण्डेय, डॉ संजय जायसवाल, भीखूभाई दलसानिया, रविशंकर प्रसाद, रेणु देवी, प्रेम कुमार, जनक चमार, प्रेम रंजन पटेल का नाम शामिल है। वहीं, पदेन सदस्य के तहत धर्मशिला गुप्ता को जगह मिली है, साथ ही, विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में विनोद तावड़े, दीपक प्रकाश और नागेन्द्र जी का नाम शमिल हैं।इतना ही नहीं, चुनाव प्रचार की तैयारियों के लिए बीजेपी ने एक 45 सदस्यीय चुनाव अभियान समिति भी बनाई है। इस समिति में केंद्रीय और राज्य स्तरीय मंत्री, सांसद, विधायक, पूर्व सांसद और संगठन के सीनियर नेता भी शामिल हैं. इस समिति का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल करेंगे. बीजेपी ने बताया है कि समिति का गठन करते समय सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन का खास ध्यान रखा गया है। इस समिति का मुख्य कर्तव्य प्रचार अभियान की रणनीति बनाना और उसे बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से लागू कराना है. साथ ही केंद्रीय नेतृत्व से आने वाले बड़े नेताओं के बिहार दौरे और प्रचार का समन्वय भी यही समिति करेगी. पार्टी ने यह स्पष्ट किया है कि चुनाव में उसका मुख्य फोकस विकास और सुशासन रहेगा और लक्ष्य एनडीए के साथ मिलकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाना है।

यूपी के युवाओं को भ्रमित कर रही योगी सरकार : किशोरी लाल

» अमेठी कांग्रेस सांसद का बीजेपी पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अमेठी के विभिन्न सिद्धपीठ मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान भाजपा पर जमकर बरसे।

उन्होंने कहा, सरकार युवाओं को गुमराह कर रही है। पेपर लीक, बेरोजगारी और अन्य गंभीर मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए युवाओं को बहकाया जा रहा है। इन समस्याओं का समाधान करने के बजाय सरकार भ्रम फैलाने का काम कर रही है। सांसद ने सैनिक स्कूल के बच्चों के लिए सांसद निधि से 32 लाख रुपये की लागत की नई बस उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा कि इस बस से विद्यालय के बच्चों को काफी सुविधा मिलेगी। उनकी पढ़ाई में भी सहूलियत होगी। महिला सशक्तिकरण पर सांसद ने कहा कि आज महिलाएं पहले से कहीं अधिक सशक्त हो रही हैं और समाज में अपनी मजबूत भूमिका निभा रही है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।